'राजस्थान पुलिस की एस.आई.टी. ने बीते एक साल में पेपरलीक के 244 आरोपी दबोचे'

डी.जी.पी. उत्कल रंजन साहू ने पेपर लीक माफिया पर गत एक साल में की गई कार्रवाई पर एस.आई.टी. की सराहना की

- **राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं के पेपरलीक करने वाले सरगना, सहयोगी और गलत तरीकों से लाभान्वित परीक्षार्थी समेत 176 लोग आज सलाखों के पीछे हैं। इनमें डमी कैंडिडेट्स के सहारे चयनित हुए लोग भी शामिल है।''**
- **डी.जी.पी. उत्कल रंजन साहू का कहना है ''एस.आई.टी. की कार्रवाई का नतीजा है कि पिछले 1 साल में आर.पी.एस.सी. की 145 तथा आर.एस.एस.बी. की 25 परीक्षाएं बिना पेपर लीक के संपन्न हो सकी।''**

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस की स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) ने पिछले एक साल में ''पेपरलीक माफिया'' पर शिकंजा कसा है। इसी का नतीजा है कि राजस्थान पुलिस की एसआईटी ने पिछले एक साल में पेपर लीक के अनेकानेक अपराधियों और इसमें शामिल गैंग के सरगनाओं की गिरफ्तारी की है। पेपरलीक गिरोह के सरगना, सहयोगी और गलत तरीकों से लाभान्वित परीक्षार्थी आज सलाखों के पीछे है। डमी कैंडिडेट्स के सहारे चयन के आरोपी भी पकड़े गए है। यहां तक कि ईओ-आरओ परीक्षा में पेपर लीक व अनुचित साधनों के उपयोग का पर्दाफाश भी इस टीम ने किया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में नई सरकार का नेतृत्व संभालने के तुरंत बाद 16 दिसम्बर 2023 को पेपर लीक से सम्बंधित प्रकरणों की गहन जांच और नकल गिरोह से जुड़े आरोपियों की धरपकड़ करते हुए हताश युवाओं के विश्वास को लौटाने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी के नेतृत्व में एसआईटी के गठन का निर्णय लिया था। एसआईटी ने प्रदेश में पेपर लीक की रोकथाम के लिए इस सम्बन्ध में दर्ज मामलों में न केवल जाँच को त्वरित तरीके से आगे बढ़ाया है, बल्कि दोषियों के विरूद्ध सख्त एक्शन लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप एस.आई.टी. की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई का नतीजा है कि, प्रदेश में बीते एक साल में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.) की 145 तथा राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड (आरएसएसबी) की 25 परीक्षाएं बिना पेपरलीक संपन्न हो पायी है।

डी.जी.पी. ने बताया कि राजस्थान में जेईएन, उप निरीक्षक पुलिस तथा प्लाटून कमान्डर भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक में सम्मिलित मुख्य गैंग सरगनाओं, उनके सहयोगी तथा गलत तरीके से लाभान्वित हुए परीक्षार्थियों को भी गिरफ्तार किया है, जिनमें से अधिकांश आरोपी वर्तमान में भी सलाखों के पीछे हैं।

एसआईटी द्वारा परीक्षाओं में गड़बड़ी और अनियमितताओं के बारे में अलग-अलग स्त्रोतों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर 2300 से अधिक परिवादों की जांच की जा रही है। अब तक 94 एफआईआर दर्ज की गई है, वहीं पेपर लीक मामलों में 244 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, इनमें से 176 आरोपी मौजूदा समय में जेल में है।

अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) पुलिस, एटीएस और एसओजी तथा एसआईटी के प्रमुख वीके सिंह ने बताया कि प्रदेश में कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान एसओजी के थाने पर पेपर लीक, डमी अभ्यर्थियों के सहारे चयन तथा प्राइवेट विश्वविद्यालयों द्वारा फर्जी डिग्री सर्टिफिकेट थोक में जारी करने और इनका बड़े स्तर पर इस्तेमाल करते हुए सरकारी नौकरियां प्राप्त करने से जुड़ी 91 एफआईआर रजिस्टर की गई।

एसआईटी की जांच में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी बैठाकर अनुचित साधनों के प्रयोग से चयनित होने वालों की संख्या बहुत अधिक होने का खुलासा हुआ। यह भी एक पेपर लीक जैसी गम्भीर समस्या थी, जो कि अब तक दबी हुई थी। एसआईटी ने इसे उजागर कर परीक्षा प्रणाली में सुधार करवाए हैं।

एडीजी वी.के.सिंह ने बताया कि एसआईटी ने आरपीएससी द्वारा आयोजित अधिशाषी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी(ईओ/आरओ) भर्ती परीक्षा-2023 की जांच कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए इनमें पेपर लीक एवं अनुचित साधनों के उपयोग का पर्दाफाश भी किया है, राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा इस परीक्षा को निरस्त कर पुन: आयोजन की घोषणा की गई है। इसके साथ ही बेकरिया पेपरलीक प्रकरण में दिसम्बर 2022 में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 के सिलसिले में थाना बेकरिया जिला उदयपुर में गिरफ्तारशुदा 6 मुल्जिमों की जमानत याचिका राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर पीठ द्वारा सुनवाई के बाद अगस्त 2024 में खारिज की गई। ये मुल्जिम वर्ष 2023 से न्यायिक अभिरक्षा में है।

फर्जी डिग्री देने-लेने वालों पर कसा शिकंजा

सिंह ने बताया कि एसआईटी की जांच में ज्ञात हुआ कि पेपर लीक करने एवं डमी अभ्यर्थी की सहायता से चयन कराने वाले गैंग द्वारा बिना योग्यता वाले अभ्यर्थियों का अनुचित साधनों से चयन करवा दिया जाता था। परीक्षा का फार्म भरते समय उनके द्वारा यह घोषणा की जाती थी कि कि वे अमुक विश्वविद्यालय से अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हैं किन्तु वे वास्तव में विद्यार्थी नहीं हो कर चयनित होने पर किसी प्राईवेट यूनिवर्सिटी से फर्जी डिग्री लाकर एवं अनुचित तरीकों से बड़ी संख्या में सरकारी नौकरी प्राप्त कर लेते थे। एसआईटी द्वारा ऐसे विश्वविद्यालयों के खिलाफ गहनता से छानबीन बाद मुकदमा दर्ज किया गया है एवं जाँच प्रगति पर है। ऐसे प्राईवेट विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, दलालों एवं कई लाभार्थियों को गिरफ्तार किया गया है और वे अभी भी जेल में बन्द है। साथ ही एसओजी ने खेलों में फर्जी प्रमाण पत्र का गोरखधंधा उजागर कर इसमें संलिप्त आरोपितों को भी गिरफ्तार किया है।

हैल्पलाइन पर आमजन से मिल रही सटीक सूचनाएं

एडीजी एसओजी एवं एटीएस सिंह ने बताया कि एसआईटी की टीम ने गत एक साल में जिस प्रकार रात दिन एक करते हुए पेपर लीक के मामलों में लगातार तत्परता से ठोस कार्रवाई की है, उससे युवाओं के साथ-साथ आमजन में भी सिस्टम के प्रति भरोसा कायम हुआ है। एसआईटी द्वारा जारी हेल्पलाइन पर आमजन सजग प्रहरी के रूप में लगातार परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग कर चयनित लाभार्थियों के बारे में सटीक सूचना बढ़-चढ़कर साझा कर रहे है। एक तरह से एसआईटी हैल्पलाइन ने जनता को पुलिस की भूमिका में लाकर खड़ा कर दिया है।

शांति एवं अहिंसा विभाग ने सुबोध महाविद्यालय में कराया सेमिनार

जयपुर। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजनो के क्रम में शांति एवं अहिंसा विभाग, राजस्थान सरकार एवं एस.एस. जैन सुबोध पी. जी. महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आज एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। सेमिनार में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने युवा दिवस के अवसर पर अपने विचारो को अभिव्यक्त किया ।

इस सेमिनार के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारित मंत्री अविनाश गहलोत रहे। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य है।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

13 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र का वितरण

एवं

31 हजार करोड़ रुपए के 76 हजार से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

राज्य स्तरीय समारोह

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

विशिष्ट अतिथि
सुश्री दिया कुमारी
माननीया उप मुख्यमंत्री

श्री जोगाराम पटेल
माननीय संसदीय कार्यमंत्री

12 जनवरी, 2025 | प्रात: 11:00 बजे | बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर

निभाई जिम्मेदारी - हर घर खुशहाली
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद